वन

* भारत में 22% भाग पर वनों का विस्तार पाया जाता है।

क्षेत्रफल के आधार पर वन

सर्वाधिक	कम
1. मध्यप्रदेश	1. हरियाणा
2. अरुणाचल प्रदेश	2. पंजाब
3. छत्तीसगढ़	3. गोवा

प्रतिशत के आधार पर

सर्वाधिक	कम
1. मिजोरम	1. हरियाणा
2. अरुणाचल प्रदेश	2. पंजाब
3. नागालैण्ड	3. राजस्थान

★ वन नीति ★

प्रथम वन नीति — 1894

द्वितीय वन नीति — 1952 — यह स्वतंत्रता के बाद पहली वन नीति थी। और इस वननीति के अनुसार भारत के लगभग 33% भाग पर वनों का विस्तार होना चाहिए।

तृतीय वन नीति — 1988 — इस वन नीति के अनुसार भी यही कहा गया कि भारत के 33% भाग पर वनों का विस्तार होना चाहिए। लेकिन इसकी समय सीमा 2012 निर्धारित कर दी गई।

प्रशासनिक आधार पर वनों का वर्गीकरण

1. आरक्षित वन
   - सरकार का पूर्ण नियंत्रण (कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं)
   - 54 %
   - 5 लाख कि. मी.
2. संरक्षित वन
   - सरकार का नियंत्रण
   - लकड़ी काटना व पशु चारण
   - 29 %
   - 3 लाख वर्ग कि. मी.
3. अवर्गीकृत
   - सरकार का नियंत्रण नहीं
   - 17 %
   - 2 लाख वर्ग कि. मी.

बाघ परियोजना

* भारत में बाघ परियोजना की शुरुआत — 1973 में उत्तराखंड के "जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान" से की गई थी।

* वर्तमान में भारत में लगभग 50 बाघ परियोजनाएं है। इसमें
  49 — ओरांग — असम
  50 — कामलांग — अरुणाचल प्रदेश में।

* भारत के क्षेत्रफल के आधार पर सबसे बड़ी बाघ परियोजना — नागार्जुन सागर — आंध्रप्रदेश

* जबकि सबसे छोटी बाघ परियोजना — पेंच — महाराष्ट्र + आंध्रप्रदेश

* भारत की सबसे ऊँची बाघ परियोजना — नामदाफा — अरुणाचलप्रदेश

* भारत में सर्वाधिक बाघ मध्यप्रदेश राज्य में स्थित है इसलिए मध्यप्रदेश राज्य को "बाघ राज्य" के नाम से जाना जाता है।

* जबकि कैलाश सांकला "Tigur man of India" के नाम से जाना जाता है।

राष्ट्रीय उद्यान

* मुख्य राष्ट्रीय उद्यान →

* हेमिस हाई राष्ट्रीय उद्यान (J.K) → यह क्षेत्रफल के आधार पर भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है।

* दाचीग्राम (J.K) → यह राष्ट्रीय उद्यान हिरणो (कस्तुरीमृग) के लिए प्रसिद्ध है।

* सलीम अली राष्ट्रीय उद्यान (J.K) → सलीम अली राष्ट्रीय उद्यान पक्षियो के संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। "सलीम-अली" को "Bird man of India" के नाम से जाना जाता है।

* गिर राष्ट्रीय उद्यान (गुजरात) → यह राष्ट्रीय उद्यान एशियाई शेरों के लिए प्रसिद्ध है।

* नागरहोल और बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान (कर्नाटक) → यह दोनों राष्ट्रीय उद्यान हाथियों के संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है।

* ★ शांतघाटी (केरल) → Silent Velly अपनी जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है।

* ★ नागार्जुन सागर राष्ट्रीय उद्यान (A.P) → इस राष्ट्रीय उद्यान भारत की सबसे बड़ी बाघ परियोजना है।

* ★ भीतरकणिका राष्ट्रीय उद्यान (उडीसा) → यह राष्ट्रीय उद्यान औलिव रिडले कछुवे (छोटे-छोटे कछुवे) के लिए प्रसिद्ध है।

* केबुललामजाओ राष्ट्रीय उद्यान (मणिपुर) → यह भारत का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान है।
– यह राष्ट्रीय उद्यान मणिपुर की "लोकतक झील" में स्थित है।

* काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (असम) → यह राष्ट्रीय उद्यान एक सींग वाले गैंडे के लिए प्रसिद्ध है।

* जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान (1935 - उत्तराखण्ड) → यह भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान है। इसका निर्माण 1935 में किया गया था।

* बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान (M.P) → यह राष्ट्रीय उद्यान सफेद बाघों के लिए प्रसिद्ध है।

* साउथ बटन (अण्डमान-निकोबार द्वीपसमूह) → यह क्षेत्रफल के आधार पर भारत का सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान है।

Hot Spot / गर्म स्थल

* सर्वाधिक जैव विविधता वाले क्षेत्रों को हॉट स्पॉट के नाम से जाना जाता है।
* वर्तमान में भारत में 3 हॉट स्पॉट है →

1. पश्चिमी घाट
2. पूर्वी हिमालय
3. इण्डो म्यांमार

आर्द्र भूमि / नम भूमि

* दलदली भूमि को आर्द्र या नम भूमि के नाम से जाना जाता है।
* इन आर्द्र या नमभूमियों के संरक्षण के लिए 1971 में ईरान में एक सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसलिए आर्द्र भूमियों को "रामसर भूमियों" के नाम से भी जाना जाता है।
* वर्तमान में भारत में 26 आर्द्र भूमियाँ है। इनमें ~~सबसे बड़ी~~ ~~पहली~~ सबसे बड़ी "वेम्बनाद" (केरल) सबसे छोटी "रेणुका" (हिमाचल प्रदेश) में है।
* (1) सबसे पहली आर्द्रभूमि → चिल्का - उड़ीसा
  (26) नल सरोवर → गुजरात

* वर्षा के आधार पर वनों का वर्गीकरण *

वर्षा के आधार पर वनों को मुख्यतः 5 भागों में बांटा जाता है।

1. सदाबहार वन → ये वन वर्ष भर हरे-भरे दिखाई देते है। इसलिए इन्हे "सदाबहार वनो" के नाम से जाना जाता है।

* इस प्रकार के वनों में सर्वाधिक जैव विविधता पायी जाती है।
* सदाबहार वन उन क्षेत्रों में पाये जाते है जहाँ पर 200 cm. से अधिक वर्षा होती है।
* यह वन जैसे → पश्चिमीघाट और उत्तरपूर्वी भारत (निकोबार द्वीप समूह)

वृक्ष → रोजवुड, आयरनवुड, एबोनी, सिनकोना और रबर।

2. पतझड़ वन →

वर्षा के आधारपर पतझड़ वनों को 2 भागों में बांटा जाता है →

(A) उष्ण कटिबंधीय पतझड़ वन → 100-200 cm. वर्षा

* क्षेत्र → उत्तरप्रदेश, बिहार, प. बंगाल, उड़ीसा, झारखण्ड, M.P छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक।
* वृक्ष → साल, सागवान, चंदन, आँवला, शीशम।

(B) शुष्क कटिबंधीय पतझड़ वन → 50-100 cm वर्षा

* क्षेत्र → पंजाब, हरियाणा, गुजरात, पूर्वी राजस्थान।
* वृक्ष → नीम, बरगद, पीपल, पलाश, अमलतास।

3 शुष्क वन :→ वर्षा - 50 cm. से कम

*क्षेत्र → दक्षिणी पंजाब, दक्षिणी हरियाणा, पश्चिमी राजस्थान उत्तरी गुजरात।

*वृक्ष → बबूल, बेर, खेजड़ी, खजूर, सेंवण घास, कैक्टस।

4. डेल्टाई वन / ज्वारीय वन / अनूप वन →

इस प्रकार के वन गंगा, ब्रह्मपुत्र, महानदी, गोदावरी, कृष्णा कावेरी नदियों के डेल्टा (बंगाल की खाड़ी में) पाये जाते है।

वृक्ष → सुन्दरी, सोनेरिटा, फोनिक्स।

5. पर्वतीय वन → हिमालय पर्वत

क्षेत्र→ इस प्रकार के वन मुख्यतः हिमालय पर्वत में पाये जाते है

J.K, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश।

वृक्ष → ओक, चेस्टनट बर्च, एल्डर, चीड़, देवदार,